LITTLE STORYBOOK से बनी

घर तक ले जाने वाले दीये



इतने सारे दीये

दिवाली की शाम थी। नानी बगीचे की दीवार पर मिट्टी के दीये सजा रही थीं। मेई गिनती गई। “नानी, इतने सारे दीये क्यों?” नानी ने मुस्कुराकर कहा, “आओ, पास बैठो। आज मैं तुम्हें दिवाली की एक प्यारी कहानी सुनाती हूँ।”





राम वन गए

बहुत, बहुत पहले अयोध्या में राम नाम के दयालु राजकुमार रहते थे। उन्हें चौदह साल के लिए वन में जाना पड़ा। सीता और उनके भाई लक्ष्मण भी साथ चले गए। अयोध्या में सब उन्हें याद करते रहे।

littlestorybook.ai

चौदह कंकड़

अयोध्या में रोशनी नाम की एक बच्ची रहती थी। वह कुम्हार दादा की पोती थी। हर साल वह एक कंकड़ घड़े में डालती—टप! चौदह कंकड़ पूरे होंगे, तो राम घर आएँगे।





littlestorybook.ai

आज रात घर वापसी

एक दिन दूत दौड़ता हुआ आया। “आज रात राम, सीता और लक्ष्मण लौट रहे हैं!” सारी गलियाँ खुशी से भर गईं। रोशनी ने आसमान देखा। चाँद नहीं था। “इतने अँधेरे में उन्हें रास्ता कैसे दिखेगा?”

रोशनी की सूझ

धूप में सूखते छोटे मिट्टी के बर्तनों को देखकर रोशनी उछल पड़ी।
“दादा! हम दीये बनाएँगे—ढेर सारे दीये। पूरा रास्ता जगमगा जाएगा!”
दादा हँसे और काम में लग गए।





littlestorybook.ai

सबने हाथ बँटाया

नरम मिट्टी—दबाओ, घुमाओ, चुटकी से मोड़ो! दादा दीये बनाते गए, रोशनी उन्हें चिकना करती गई। बुनकर रुई लाया, तेलवाला तेल लाया, और बच्चे थालियों में दीये उठाकर चले।

एक-एक लौ

दीये सड़क पर रखे गए, छतों पर रखे गए, और नदी की लंबी सीढ़ियों पर भी। सूरज नीचे गया, तो बड़े लोगों ने हर दीये में आग जलाई। एक नन्ही लौ, फिर दूसरी, फिर तीसरी।





जगमग अयोध्या

अब पूरी अयोध्या चमक रही थी। छतों पर दीये, सीढ़ियों पर दीये, रास्तों पर दीये। सरयू नदी भी झिलमिला उठी, जैसे उसमें तारे तैर रहे हों। रात बहुत अँधेरी थी, पर कोई अँधेरे में नहीं था।

स्वागत है

दूर रास्ते पर तीन यात्री दीयों की रोशनी की ओर बढ़े। राम, सीता और लक्ष्मण घर का रास्ता पा गए। लोगों ने फूल बरसाए और पुकारा, “स्वागत है! घर आ गए!” रोशनी ने दादा का हाथ पकड़कर मुस्कुरा दिया।





littlestorybook.ai

हमारे दीये भी

नानी ने कहा, “इसीलिए दिवाली पर कई परिवार दीये जलाते हैं—स्वागत कहने के लिए, और याद रखने के लिए कि उजाला अँधेरे से जीत जाता है।” आशा ने दीयों की कतार देखी। “हमारे दीये भी कह रहे हैं—स्वागत है, घर आओ,” उसने फुसफुसाया।

समाप्त

अपने बच्चे को इस कहानी में लाइए

मुफ़्त में आज़माइए। कोड स्कैन कीजिए या यहाँ जाइए

littlestorybook.ai/stories/hi/story-of-diwali-for-kids

LITTLE STORYBOOK
littlestorybook.ai